हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, चन्हुदड़ो, लोथल और कालीबंगा की मुख्य विशेषताएं

भाग-1

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

SNSRKS, कॉलेज सहरसा

हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता तत्कालीन सभ्यताओं से श्रेष्ठ एक महान सभ्यता थी| यह आज के अफगानिस्तान, पाकिस्तान एवं उत्तर पश्चिम भारत के क्षेत्र पर फैला था| इस सभ्यता के पुरास्थलों के उत्खनन से हमें इसके बारे में जानकारी मिलती है| हम इस पोस्ट में हड़प्पा सभ्यता के 5 प्रमुख स्थल हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, चन्हुदड़ो, लोथल और कालीबंगा की मुख्य विशेषता के बारे में बात करेंगें.

हड़प्पा या सिंधु घाटी सभ्यता क्या है

आज से लगभग 4500 वर्ष पूर्व भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लगभग 13 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सिंधु नदी के तट पर एक महान सभ्यता का अस्तित्व था| इसे सिंधु घाटी सभ्यता कहा जाता है| इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है, क्योंकि सबसे पहले इस सभ्यता के हड़प्पा शहर के बारे में ही पता चला था|

इसके स्थलों के उत्खनन से बड़े-बड़े भवन, निश्चित जनसंख्या, लिपि, व्यापार, वाणिज्य आदि के साक्ष्य प्राप्त होते है| इसके आलावा शहर चलाने के लिए शासकीय तंत्र होने के भी प्रमाण मिलते है| ऐसे में हड़प्पा सभ्यता की प्रकृति को शहरी (Urban) माना जा सकता है|

इस सभ्यता का विस्तार भारत, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के एक बड़े हिस्से पर लगभग 1,29,9600 वर्ग किलोमीटर में था| इसकी सीमा उत्तर में - माडा (जम्मू&कश्मीर), दक्षिण में - नर्मदा नदी के मुहाना (महाराष्ट्र), पश्चिम में - सुएका गेंडोर (बलूचिस्तान के मकरान समुद्र तट, पाकिस्तान), पूर्व में - आलमगीर (मेरठ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश) तक था|